आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :321 पृष्ठ -4 दिनांक 24 नबम्बर 2024 दिन रविवार

झंडा दिवस पर डीजीपी ने सीएम योगी को फ्लैग लगाकर किया सम्मानित

सैफई न्यूज उत्तर प्रदेश पुलिस शनिवार को झंडा दिवस मना रही है। इस कड़ी में डीजीपी प्रशांत कुमार ने राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके सरकारी आवास पर फ्लैग लगाकर सम्मानित किया। साथ ही श्मोमेंटो भेंट किया। यूपी पुलिस की तरफ से इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट की गई हैं।बताते चलें कि 23 नवंबर को पुलिस झंडा दिवस मनाया जा रहा है। एक्स पर किए गए पोस्ट में यूपी पुलिस ने लिखा कि उत्तर प्रदेश पुलिस ध्वज, विभाग के गौरवशाली इतिहास और वीर जवानों की कर्तव्यपरायणता का गौरवपूर्ण प्रतीक है। यह ध्वज हमारी शौर्यगाथाओं का अमिट धरोहर है। यह प्रत्येक क्षण हमें अपने

कर्तव्यों के प्रति जागरूक और समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।स्मृति चिन्ह भेंट किया झंडा दिवस के अवसर पर प्रशांत कुमार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पुलिस कलर प्रदान किया। साथ ही स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस मौके पर एडीजी एलओ अमिताभ यश एवं जीएसओ टू डीजीपी एन रविन्दर मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश पुलिस ध्वज, विभाग के गौरवशाली इतिहास और वीर जवानों की कर्तव्यपरायणता का गौरवपूर्ण प्रतीक है। यह ध्वज हमारी शौय गाथाओं का अमिट धरोहर है, जो प्रत्येक क्षण हमें अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक और समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।शौर्य ने एक्स पर लिखा, समाजवादी पार्टी के संस्थापक व वरिष्ठ राजनेता एवं पद्म विभूषण से सम्मानित उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव जी की जयंती पर उन्हें शत–शत नमन.

यूपी के ये 71 कॉलेज होंगे राजकीय महाविद्यालय, इस जिले में खुलेगी नई यूनिवर्सिटी

उत्तरप्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित मंत्री परिषद की बैठक में प्रदेश में उच्च शिक्षा को बेहतर करने के लिए शुक्रवार को दो महत्वपूर्ण फैसले लिए गए. जिसके अंतर्गत 71 नवनिर्मितधनिर्माणाधीन महाविद्यालयों को राजकीय महाविद्यालय के रूप में संचालित करने का निर्णय लिया गया है, जबकि बिजनौर जिले में विवेक विश्वविद्यालय के गठन को भी मंजूरी प्रदान की गई है. बैठक के बाद उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि विभाग के द्वारा वर्तमान में 171 राजकीय महाविद्यालय संचालित हैं. इनमें 71 महाविद्यालय नवनिर्मित अथवा निर्माणाधीन हैं. इनमें से 17 संगठक महाविद्यालय के रूप में चयनित थे. पहले विश्वविद्यालयों द्वारा इनका संचालन किया जाता था. पिछले दिनों कुछ विश्वविद्यालयों द्वारा इनके सुचारू संचालन को लेकर असमर्थता जाहिर की गई थी.शिक्षा स्तर में होगा सुधार जिसके बाद ये प्रस्ताव लाया गया कि 71 महाविद्यालयों का संचालन अब सीधे प्रदेश सरकार करेगी. अबतक इनमें संविदा के आधार पर लोग रखे जाते थे, अब सभी 71 महाविद्यालयों में 71 प्राचार्य के पद और प्रत्येक महाविद्यालय में 16–16 के आधार पर 1136 सहायक आचार्य के पद, 639 क्लास थ्री और 710 क्लास फोर के पद सृजत होंगे. इससे रोजगार के अवसर मिलेंगे साथ ही शिक्षा

की गुणवत्ता भी बढ़ेगी. उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि बिजनौर में विवेक विश्वविद्यालय को संचालन का प्राधिकार पत्र प्रदान किया गया है. इससे अब प्रदेश में एक और निजी विश्वविद्यालय का संचालन शुरू होगा. इससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा, जिससे सरकारी विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता और बढ़ेगी. उन्होंने बताया कि यूपी में पिछले दो–ढाई साल में सर्वाधिक ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय उभर कर सामने आए हैं. फिलहाल नैक ग्रेडिंग में यूपी के 7 विश्वविद्यालय ए डबल प्लस, 4 ए प्लस हैं.इसके साथ ही 6 निजी विश्वविद्यालय ए प्लस और 4 निजी विश्वविद्यालय ए ग्रेड में शामिल हो चुके हैं. उन्होंने बताया कि पहले यूपी का पहले कोई भी विवि टॉप 500 में भी नहीं था. आज टॉप 100 में प्रदेश के 3 विवि आ गये हैं. मंत्री ने बताया कि योगी सरकार का लक्ष्य अगले 5 साल में प्रदेश के सभी जिलों में एक–एक विश्वविद्यालय खोलने का है.

यूपी उपचुनाव में 9 सीटों की काउंटिंग से पहले बीजेपी का बड़ा दावा, अखिलेश पर बरसे सांसद

बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डा. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को नसीहत दे डाली कि चुनाव से पहले और चुनाव के बाद में अखिलेश यादव राजनीति करें. उसके बीच में कोई तथ्यात्मक विश्लेषण सपा के पास है तो चुनाव आयोग में शिकायत करें और लिखित प्रत्यावेदन दें, लेकिन सच तो कुछ है नहीं और ट्वीट करके अखिलेश यादव राजनीतिक वातावरण खराब करना चाहते हैं. साथ ही खुद को राजनीतिक श्रेष्ठ सिद्ध करने का भी कुप्रयास अखिलेश यादव कर रहें हैं, लेकिन वो अपने मकसद में कभी कामयाब नहीं हो पाएंगे.राज्यसभा सांसद डा. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव को अपने निशाने पर रखा. कहने लगेसंभावित हार से सपा घबरा गई है. अखिलेश यादव को ट्वीट करना चाहिए, बल्कि चुनाव परिणाम का इंतजार करना चाहिए. अखिलेश यादव को इस स्तर पर नहीं आना चाहिए वो आदरणीय मुलायम सिंह यादव के सुपुत्र हैं, जिन्होंने अपना रा. जनीतिक स्तर बनाया था. कुछ अपने नीचे के लोगों पर भी छोड़ देना चाहिए, लेकिन उनकी सोच कि सब कुछ मेरे दस्तखत से हो, मेरे चेहरे पर हो, मेरी जुबान पर हो किसी संगठन को चलाने के लिए ये ठीक नहीं है.श्हम जीतेंगे सभी सीट, सपा का होगा सूपड़ा साफश्डा. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने फिर सपा को निशाने पर लिया. एग्जिट पोल को लेकर कहने लगे यूपी में हम सभी नौ सीट जीतेंगे और सपा का सूपड़ा साफ होगा. सपा का शिकातयों को लेकर ट्वीट करना छि. छलापन बता रहा है कि सपा का सूपड़ा साफ होने जा रहा है. हार के बाद ये फिर वही रटा रटाया जवाब देंगे जो हमेशा हार के बाद दिया करते हैं. चुनाव परिणाम आने में कुछ घंटो के बाद तस्वीर साफ हो जाएगी कि कौन कितने पानी में है. जनता को पता है कि विकास कौन करता है और माहौल खराब करने का काम कौन सी पार्टी करती है.

नतीजों से पहले जीत को लेकर अतिउत्साह में BJP कुंदरकी में लगाए पोस्टर

उत्तर प्रदेश की नौ सीटों पर हुए उपचुनाव के लिए सुबह आठ बजे से वोटों की गिनती शुरू हो गई है. भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के बीच में सीधा मुकाबला है. सबसे पहले पोस्टल बैलट की गिनती हो रही है. इसके बाद ईवीएम का ताला खोला जाएगा. उपचुनाव के नतीजे किसके पक्ष में जाएंगे फिलहाल अभी यह तय नहीं है लेकिन इस बीच मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट एक पोस्टर वायरल हो रहा है, जो सियासी का चर्चा का केंद्र बन गया है.मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव की वोटों की गिनती सुबह आठ बजे से शुरू हो चुकी है, लेकिन इससे पहले भारतीय जनता पार्टी की तरफ से एक पोस्टर सामने आया है. जिसमें कुंदरकी बीजेपी प्रत्याशी ठाकुर रामवीर सिंह को कुंदरकी का भावी विधायक बताते हुए समर्थकों ने उन्होंने बधाई दी है. बीजेपी समर्थकों ने होर्डिंग्स पर लिखा है कि ष्कुंदरकी में प्रचंड बहुमत से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी ठाकुर रामवीर सिंह जी को कुंद. रकी के विधायक बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं. ये पोस्टर अल्पसंख्यक मोर्चा की तरफ से लगाए गए हैं.सपा का गढ़ रही कुंदरकी सीट मुरादाबाद क्षेत्र अंतर्गत आने वाली कुंदरकी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी का गढ़ मानी जाती है. यहां बीजेपी को छोड़ दिया जाए तो सभी दलों ने मुस्लिम चेहरे उतारे हैं. साल 2022 विधानसभा चुनाव परिणाम की बात करें तो यहां से सपा के जिया उर रहमान चुनाव जीतें थे. हालांकि विभिन्न न्यूज चौनल्स के एग्जिट में पोल में ये सीट बीजेपी के खाते में जाते दिख रही है. बता दें कि करहल, सीसामऊ, कुंदरकी, गाजियाबाद, फूलपुर, मझवां, कटेहरी, खैर और मीरा. पुर में उपचुनाव के लिए 20 नवंबर को वोटिंग हुई थी. हालांकि वोटिंग के दौरान मतदान में गड़बड़ी के आरोप लगे, वहीं मीरापुर सीट ज्यादा चर्चाओं में रही.

यूपी को वंदे भारत मेट्रो ट्रेन की मिली सौगात, लखनऊ से .कानपुर समेत इन रूट्स का सफर होगा आसान

उत्तर प्रदेश को एक और वंदे भारत मेट्रो की सौगात मिलने वाली है.ये ट्रेन लखनऊ से कानपुर समेत पांच रेलखंडों पर दौड़ती नजर आएगी. बता दें कि यह लखनऊ से कानपुर की दूरी को मात्र 45 मिनट में पूरा कर लेगी.वहीं कानपुर के बाद लखनऊ से प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, गोरखपुर रूटों पर भी मेट्रो की तर्ज पर वंदे भारत मेट्रो चलेगी. इसके लिए सरकार 480 करोड़ रुपये खर्च करेगी. इस वंदे भारत मेट्रो के चलने से यात्री को बहुत राहत होगी. लोग कम समय में राजधानी पहुंच पाएंगे. राजधानी से वाराणसी भी श्रद्धालु कम समय में पहुंच पाएंगे.कितना हो सकता है टिकट मिली जानकारी के अनुसार वंदे भारत मेट्रो का किराया वंदे भारत एक्सप्रेस के आसपास ही हो सकता है. लेकिन टिकट के किराये को लेकर अभी रेलवे की तरफ से कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है. इसमें कानपुर के लिए 500 रुपये तो अयोध्या के लिए 750 रुपये और प्रयागराज,गोरखपुर,वाराणसी के लिए 900 से हजार के बीच किराया हो सकता है.रेलवे अधिकारियों ने यह भी बताया कि इस वंदे भारत मेट्रो में वंदे भारत एक्सप्रेस की तरह ही सुविधाएं उपलब्ध होगी.चार रूट पर रेलवे खर्च करेगा 480 करोड़रेलवे की तरफ से वंदे भारत मेट्रो को चलाने के लिए सभी जोनों को पहले से ही निर्देशित किया था,फिर इसके बाद बजट का प्रावधान किया गया था.बता दें कि लखनऊ से कानपुर के बीच लगभग पूरा काम हो चुका है. रेलवे अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर रूट पर

पैसे को खर्च करेगा.कितना समय लगेगा वंदे भारत मेट्रो में वंदे भारत मेट्रो को लखनऊ से कानपुर पहुंचने में 45 मिनट लगेगा,इसकी कुल दूरी 80 किमी है.वहीं लखनऊ से अयोध्या 160 किमी की दूरी 90 मिनट में,लखनऊ से प्रयागराज 197 किमी 115 मिनट में,लखनऊ से वाराणसी 284 किमी 225 मिनट में तो वहीं लखनऊ से गोरखपुर 263 किमी 210 मिनट में पूरा करेगी.

पीएम मोदी ने पांच दिनों में लिख डाली नई कूटनीति इबारत, तीन देशों के दौरे पर 31 द्विपक्षीय बैठकों में लिया भाग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी नाइजीरिया, ब्राजील और गयाना की यात्रा से शुक्रवार शाम स्वदेश लौट आए। 16 से 21 नवंबर तक इस यात्रा के दौरान उन्होंने वैश्विक नेताओं के साथ 31 द्विपक्षीय बैठकों एवं अनौपचारिक वार्ताओं में हिस्सा लिया। इसी के साथ पीएम मोदी ने एक रिकॉर्ड कायम किया बल्कि पांच दिनों में नई कूटनीति इबारत लिख डाली है।गुयाना यात्रा के दौरान नौ द्विपक्षीय बैठकें कींपीएम मोदी ने अपने तूफानी दौरे के दौरान नाइजीरिया में नाइजीरियाई राष्ट्रपति के साथ एक द्विपक्षीय बैठक, ब्राजील में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर 10 द्विपक्षीय बैठकें और प्रधानमंत्री मोदी ने गुयाना यात्रा के दौरान नौ द्विपक्षीय बैठकें कीं और इतना ही उन्होंने गुयाना में भारतीय समुदाय

को संबोधित भी किया।ब्राजील में प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया, पुर्तगाल, इटली, नॉर्वे, फ्रांस, ब्रिटेन, चिली, अज. र्टीना और ऑस्ट्रेलिया के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। अधिकारियों ने बताया कि इंडोनेशियाई नेता प्राबोवो सुबिआंतो, पुर्तगाल के लुइस मोंटेनेग्रो, यूके के कीर स्टार्मर, चिली के गेब्रियल बोरिक और अर्जेंटीना के जेवियर माइली के साथ उनकी पहली द्विपक्षीय बैठकें हुईं।प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील में सिंगा. पुर, दक्षिण कोरिया, फिजी, अमेरिका और स्पेन के नेताओं और यूरा. पीय संघ के उर्सुला वॉन डेर लेयेन जैसे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों और अधिकारियों के साथ अनौपचारिक बात. चीत और बैठकें कीं। साथ ही संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस और आईएमएफ की क्रिस्टालिना जॉर्जीवा और गीता गोपीनाथ से भी मुलाकात की।अधिकारियों ने बताया कि गुयाना में प्रधानमंत्री मोदी ने गुयाना, डोमिनिका, बहामास, त्रिनिदाद और टोबैगो, सूरीनाम, बारबाडोस, एंटीगुआ और बारबुडा, ग्रेनेडा और सेंट लूसिया के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया भारत के रणनीतिक महत्व को स्वीकार कर रही है और ऐसा पिछले दस वर्षों के रिफार्म (सुधार), परफार्म (प्रदर्शन) एवं ट्रांसफार्म (परिवर्तन) के मंत्र के कारण हुआ है। जर्मनी में न्यूज9 ग्लोबल समिट को वर्चुअली संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है और विकास के लिए हर देश भारत के साथ साझेदारी करना चाहता है। जर्मनी का फोकस आन इंडिया दस्तावेज इसका उदाहरण है। यह दस्तावेज दिखाता है कि कैसे दुनिया भारत के रणनीतिक महत्व को स्वीकार रही है।आज भारत में मजबूत नींव रखी गई है प्रधानमंत्री ने कहा, श्हर क्षेत्र में नई नीतियां बनाई गई हैं। हमने लालफीताशाही खत्म की और कारोबार को आसान बनाया है। बैंकों को मजबूत किया ताकि विकास के लिए समय पर पूंजी उपलब्ध हो सके। जटिल कर प्रणाली को सरल बनाया गया है। हमने प्रगतिशील एवं स्थिर नीति का वातावरण बनाया है ताकि हमारा कारोबार आगे बढ़ सके। आज भारत में मजबूत नींव रखी गई है जिस पर विकसित भारत की भव्य इमारत खड़ी होगी। जर्मनी इस काम में एक भरोसेमंद साझेदार है।

मेरठ में डीएपी के लिए राशन की तरह कतार में लग रहे किसान, गेहूं और आलू की फसल पर संकट गहराया

मेरठ में डीएपी के लिए महाभारत चल रही है. खेत खलिहान छोड़कर किसान सोसाइटी में कतारों में लगे हैं. मेरठ में डीएपी की कमी का संकट गहरा गया है. किसान मुश्किल दौर से गुजर रहें हैं और सरकार से गुहार लगा रहें हैं. मेरठ की राजपुरा सोसाइटी पर किसान कतारों में लगते हैं. कोई पांच बजे तो कोई छह बजे ही लाइन में आकर लग गया. ये लाइन राशन लेने के लिए नहीं बल्कि डीएपी के लिए लगी थी. भूखे प्यासे किसान कतारों में लगे रहे.किसी ने एक ही डीएपी के कट्टे से सब्र कर लिया और किसी को एक भी नसीब नहीं हुआ. हमारी टीम जब राजपुरा सोसाइटी पहुंची तो वहां निराश होकर किसान लौट चुके थे, लेकिन किसानों का आना जाना जारी था, क्योंकि डीएपी की इस वक्त सबसे ज्यादा जरूरत है और किसानों वो मिल ही नहीं रही है. किसान रामबीर और वीरपाल बोले, डीएपी की बहुत कमी है हम घंटों लाइन में लगे और डीएपी खत्म हो गई.मसूरी सोसाइटी में किसानों का हंगामा मेरठ की मंसूरी सोसाइटी का हाल भी बेहाल नजर आया. यहां तो किसानों की कतार देखने लायक थी.

किसान हंगामा कर सोसाइटी के कर्मच. ारियों को घेरे खड़े थे, बोले सुबह 6 बजे आ गए थे और अब तीन बज गए हैं, क्या है ये सब, भूखे प्यासे खड़े हैं, लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है. फसल की बुआई नहीं कर पाए तो पूरे परिवार पर संकट आ जाएगा. किसानों की लंबी कतार और डीएपी को लेकर परेशानी चेहरे और शब्दों में नजर आ रही थी. किसान रहमत, अलीम, विश्वास और योगेश ने आरोप लगाया कि दबंगों को और सेटिंग से कई–कई डीएपी के कट्टे दे दिए और हमें एक कट्टा देने को तैयार नहीं हैं. कई किसान तो गुस्से में वहां से लौट गए बुआई में देरी से किसानों के सामने खड़ा होगा बड़ा संकट गेंहु और आलू की बुआई के लिए किसानों को डीएपी और खाद की जरूरत होती है. खाद तो मिल रहा है लेकिन डीएपी नहीं मिल रही है. अब जितनी डीएपी मिलने में देरी होगी उतनी ही फसल पछेती होती चली जाएगी और इसकी वजह से फसल को भारी नुकसान भी हो सकता है. किसान इसलिए परेशान है कि उनकी फसल को देरी होती जा रही है और कोई सुनने को तैयार नहीं है. कई–कई दिन चक्कर काटने पर निराश होकर लौटना पड़ता है और जब डीएपी आ जाती तो वो कम पड़ जाती है.मंसूरी सोसाइटी पर किसानों का हंगामा बढ़ रहा था. सोसाइटी के सचिव ओमपाल सिंह को घेरकर किसान खड़े थे और खूब खरी खोटी सुना रहे थे कि क्या हो गया, कितने चक्कर लगाएं. इस पर जब हमने सचिव ओमपाल सिंह से बात की तो कहने लगे पांच नवंबर को आया था डीएपी का ट्रक और उसके बाद 17 दिन बाद आया है, चेक लगा दिया है जल्द दूसरा भी आ जाएगा बोले कमी है डीएपी की. यानि साफ है कि 17 दिन किसानों को लंबा इंतजार करना पड़ा और उसके बावजूद भी किसानों के हाथ डीएपी के लिए खाली हैं.

मथुरा की हवा में भी घुला जहर, एक्यूआई 300 पर पहुंचाय मास्क पहनकर घर से निकले की दी गई सलाह

मथुरा जिले में बृहस्पतिवार की सुबह जहरीली हवा के बीच हुई।मथुरा–वृंदावन में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के करीब दर्ज किया गया, जो अति गंभीर है। मंगलवार रात शहर का न्यूनतम तापमान 12.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस सीजन का सबसे कम तापमान हैमौसम विभाग के अनुसार, जिले में आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट देखने को मिलेगी। दिन के समय धूप निकलने के साथ सुबह और शाम को मौसम पूरी तरह से करवट बदल रहा है। ऐसे में न्यूनतम तापमान के साथ–साथ अधिकतम तापमान में भी गिरावट देखने को मिली है। बीते 24 घंटे में तापमान और 2 डिग्री लुढ़क गया। बृहस्पतिवार को अधिकतम 26.7 और न्यूनतम तापमान 12.3 ग्रिडी सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार को घने कोहरे के साथ हल्की सर्दी पड़ने की आशंका जताई जा रही है।सप्ताह में दो दिन मशीनों में रिकॉर्ड हो रहा एक्यूआई बृहस्पतिवार को सीजन में पहली बार प्रदूषण स्तर खतरनाक श्रेणी में पहुंचा। मंगलवार देर रात एक्यूआई 250 दर्ज किया। अगले दिन सुबह 10 बजे तक मथुरा–वृंदावन का प्रदूषण स्तर 300 के करीब पहुंच गया है। शाम ढलते–ढलते एक्यूआई 150 पर पहुंच गया। जानकारी के अनुसार, शहर में मैन्युअली तरीके से प्रदूषण स्तर रिकॉर्ड किया जा रहा है। विभागीय अधिकारी सप्ताह में बृहस्पतिवार और शनिवार को ही वायु गुणवत्ता माय संयंत्र से एक्यूआई मापते हैं, जबकि वृंदावन में ऑटोमेटिक मशीन लगी हुई है। इसलिए शहर के प्रदूषण स्तर में उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है।मॉनीटरिंग की जा रही है मथुरा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी पंकज यादव ने बताया कि मैन्युअली प्रदूषण माप संयंत्र में एक फिल्टर लगाया जाता है। 24 घंटे बाद इस फिल्टर को लैब में टेस्ट किया जाता है। इसी के आधार पर प्रदूषण स्तर मापा जाता है। साथ ही बढ़ते एक्यूआई पर संबंधित विभाग को नोटिस भी जारी किया गया है। विभाग भी समय–समय पर इसकी मॉनीटरिंग कर रहा है।

आगरा : निर्माण के दौरान पड़ोसी के मकान में आई दरारें

सहावर। थाना क्षेत्र के गांव खितौली में एक मकान के निर्माण के दौरान पड़ोसी के घर में दरारें आने लगी हैं। घर गिरने के डर से वहां रहने वाले सहमे हुए हैं। मकान का निर्माण करने वाले व्यक्ति ने पहले मरम्मत कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन नहीं करवाई। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर मदद की गुहार लगाई है।पीड़िता मुन्नी बेगम का आरोप है कि उनके घर एक साल पहले बना था। उनके घर के बराबर में गांव के ही निवासी कादिर व राहिद ने अपने प्लॉट पर चार मंजिल मकान का निर्माण कराया है। इससे पीड़िता के पूरे मकान में दरारें आ गई हैं। जब इसकी शिकायत पड़ोसी से की गई तो उन्होंने क्षतिग्रस्त घर की मरम्मत करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब अपने मकान का निर्माण पूरा होने के बाद भी पड़ोसी ने उसके घर की दरारों की मरम्मत नहीं करवाई है। दरारों से उसका घर जर्जर हो चुका है। इसके गिरने से कभी भी हादसा हो सकता है। थाने में तहरीर देकर पीड़िता ने कार्यवाही की मांग की है।

बांसी कस्बे के एक निजी बैंक की शाखा में सुबह सात बजे .अज्ञात कारण से आग लग गई

बांसी कस्बे के एक निजी बैंक की शाखा में सुबह सात बजे अज्ञात कारण से आग लग गई। बैंक शाखा से धुआं उठता हुआ देख अफरा तफरी का माहौल हो गया। मामले की जानकारी मिलते ही कोतवाल रामकृपाल शुक्ल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचें। बैंक में लगे फायर गए। इसके बाद आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। आग बुझाया जा रहा था कि बैंक में आग बुझाने के लिए वालों का सिलेंडर के विस्फोट हो जाने से कोतवाल का हाथ और चेहरा, जबकि अन्य अन्य तीन पुलिसकर्मियों के हाथ वा चेहरा झुलस गया। बांसी कस्बे के एक निजी बैंक शाखा में शनिवार सुबह अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग की सूचना पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने कड़ी मशक्कत से बुझाना शुरू किया तो फायर सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। इससे आग बुझा रहे बांसी के थानाध्यक्ष रामकृ पाल शुक्ला सहित चार पुलिसकर्मी झुलस गए।घायलों का बंसी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। आगजनी से

कितना नुकसान हुआ है इसकी जानक. ारी बैंक खुलने के बाद और अधिकारियों के आने के बाद हो पाएगा।बांसी कस्बे में स्थित एचडीएफसी बैंक की शाखा में सुबह सात बजे अज्ञात कारण से लगी आग। बैंक शाखा से धुआं उठता हुआ देख अफरा तफरी का माहौल हो गया।मामले की जानकारी मिलते ही कोतवाल रामकृपाल शुक्ल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए।इसके बाद आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। आग बुझाया जा रहा था कि बैंक में आग बुझाने के लिए वालों का सिलेंडर के विस्फोट हो जाने से कोतवाल का हाथ और चेहरा, जबकि अन्य अन्य तीन पुलिसकर्मियों के हाथ वा चेहरा झुलस गया।आग बुझाने के साथ थी उन्हें प्राथ. मिक स्वास्थ्य केंद्र बांसी पहुंचाया गया। जहां पर उनका इलाज चल रहा है। बैंक में आग से कितने का नुकसान हुआ है। इसका आकलन नहीं हो पाया है। बैंक कर्मियों के आने के बाद इसकी जानकारी हो पाएगी। आग लगने के कारण बताया जा रहा है शार्ट सर्किट बताया जा रहा है हालांकि अभी यह पुख्ता नहीं है।

कैलाश गहलोत को बीजेपी ने दी बड़ी जिम्मेदारी

आम आदमी पार्टी से हाल ही में इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी का दामन थामने वाले कैलाश गहलोत को दिल्ली बीजेपी बड़ी जिम्मेदार सौंपी है. दिल्ली बीजेपी ने उन्हें चुनाव संचालन समिति का सदस्य बनाया है. बीजेपी में शामिल होने के बाद दिल्ली के पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत ने मंगलवार को कहा था कि दिल्ली में सत्तारूढ़ पार्टी को छोड़ना उनके लिए बहुत कठिन फैसला था, लेकिन यह जरूरी हो गया था.दरअसल, दिल्ली बीजेपी ने चुनाव अभियान का नेतृत्व करने के लिए यह समिति बनाई है. इसमें प्रमुख नेताओं को शामिल किया गया है. इस समिति का मकसद दिल्ली में पार्टी की स्थिति को मजबूत करने के लिए रणनीति बनाना और चुनावी अभियान की देखरेख करना है. इससे पहले पार्टी ने 23 सदस्यों की प्रदेश चुनाव संचालन समिति घोषित की थी. AAP को छोड़ना मेरे लिए आसान नहीं था– कैलाश गहलोतबता दें कैलाश गहलोत ने 17 नवंबर को आप छोड़ने के बाद 18 नवंबर को बीजेपी ज्वाइन करने के बाद कहा था कि आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी की सदस्यता ली है. मेरे लिए ये आसान कदम नहीं था. अन्ना जी के दिन से हम आम आदमी पार्टी से जुड़े थे. दिल्ली के लिए लगातार काम करते आए हैं. कुछ लोग सोचते होंगे कि ये ओवरनाइट या किसी के दबाव में लिया फैसला लिया है, तो वो गलत है. उन्होंने कहा, ना ही यह फैसला किसी के दबाव में लिया है. जो ये कह रहे हैं कि ईडी और सीबीआई के दाबाव मे ऐसा किया है, तो वो नैरेटिव बना रहे हैं. हमारे जैसे हजारों लोगों ने अन्ना के आंदोलन में एक विचारधारा देख कर शामिल हुए थे. हमारा मकसद दिल्ली का विकास करना था.

15 साल तक रहा वफादार,जीता बीजेपी नेत्री का भरोसा, फिर एक रात यूं घोप दिया खंजर!

लखनऊ में पूर्व सांसद संघमित्रा मौर्य के घर लाखों की चोरी हो गई है. नेता ने चोरी का आरोपी अपने घर के चौकीदार को बनाया है.

लखनऊ बीजेपी की पूर्व सांसद संघमित्रा मौर्य के घर पर उनके ही चौ. कीदार ने ऐसा हेर–फेर किया कि सब हैरान रह गए. आरोपी बीते 15 सालों से उनके घर की चौकीदारी कर रहा था. संघमित्रा मौर्य ने थाने में अपने चौकीदार के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है. उनका आरोप है कि घर में रखे लाखों के गहने उनके चौकीदार ने चुरा लिए. इसकी जगह नकली गहने रख दिए गए. यानी चोरी की15 साल से था विश्वसनीय बीजेपी नेता ने पुलिस को बताया कि वो अक्सर काम के सिलसिले में बाहर रहती थी. 15 साल से लखनऊ के वृन्दावन योजना स्थित उनके मकान की रखवाली राजेंद्र कर रहा था. उसके पास घर की चाभियां थी. इतने सालों से काम करने की वजह से उन्हें राजेंद्र पर काफी विश्वास था. लेकिन बीते कुछ समय से वो घबराया हुआ रहने लगा था. बुधवार को उसने बेटी की शादी की बात कहकर छुट्टी ली थी. इसके बाद वो वहां से चला गया.यूं हुआ शक राजेंद्र के जाने के अगले दिन नेता अपने घर गई थी. शादी के कार्यक्रम में पहनने के लिए जब उन्होंने जेवर निकाले तो उन्हें थोड़ा शक हुआ. जेवर के डिजाइन और रंग में बदलाव देख नेता के होश उड़ गए. सुनार से जांच करवाने पर पता चला कि गहने नकली है. इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस में रिपोर्ट करवाई. अब पुलिस मामले की जाँच कर रही है.

बरेली में संविदा चालकों की भर्ती के लिए मेला लगाएगा रोडवेज

बरेली में रोडवेज की ओर से दो दिसंबर को संविदा चालकों की भर्ती के लिए मेला लगाया जाएगा। इसमें चार सदस्यों की कमेटी चालकों की भर्ती करेगी।. रोडवेज चालकों की कमी से जूझ रहा है। बरेली परिक्षेत्र के चारों डिपो में 250 से ज्यादा चालकों की कमी है। इस वजह से कई बार बसें वर्कशॉप से ही नहीं निकल पातीं। बीते छह माह से संविदा पर चालकों की भर्ती के लिए प्रक्रिया चल रही है, लेकिन अब तक कमी पूरी नहीं हुई है। जनवरी–फरवरी 2025 में प्रयागराज में महाकुंभ के लिए बरेली परिक्षेत्र की 430 बसों का आवंटन किया गया है। इन बसों के लिए 860 चालकों की जरूरत होगी। शेष बसों के लिए भी चालक चाहिए। ऐसे में रोडवेज अब चालक भर्ती मेलों का आयोजन करेगा। बरेली में दो दिसंबर को इसका आयोजन होगा।चार सदस्यीय कमेटी करेगी भर्ती रोडवेज के अपर प्रबंध निदेशक राम सिंह वर्मा ने क्षेत्रीय प्रबंधक और सेवा प्रबंधक को मेले के आयोजन की जिम्मेदारी दी है। चार सदस्यों की कमेटी चालकों की भर्ती करेगी। कमेटी में क्षेत्रीय प्रबंधक को अध्यक्ष बनाया गया है। सेवा प्रबंधक, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक और सहायकक्षेत्रीय प्रबंधक (वित्त) को सदस्य बनाया गया है।भर्ती मेले में चयनित किए जाने वाले चालकों को स्थानीय स्तर पर सात दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद उनका टेस्ट लेकर डिपो और बस का आवंटन कर दिया जाएगा। भर्ती मेलों का आयोजन बरेली, रुहेलखंड, बदायूं और पीलीभीत डिपो स्तर पर एक साथ किया जाएगा।

एसीबी की टीम ने रिश्वत देते सब–इंस्पेक्टर को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने गुरुवार देर रात सेक्टर–15 बाजार से 12 लाख रुपये रिश्वत लेते एक सब–इंस्पेक्टर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दबिश के दौरान दूसरा साथी उप निरीक्षक मौके से अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया है। एसीबी की टीम उसकी तलाश में जुटी है। शुक्रवार को गिरफ्तार आरोपी को एसीबी की टीम ने अदालत में पेश किया। जहां से दो दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दोनों सब–इंस्पे. क्टर मौजूदा समय साइबर क्राइम थाना एनआईटी में तैनात है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सब–इंस्पेक्टर अर्जुन के रूप में हुई है। वहीं फरार आरोपी रामचंद्र है। इन दोनों की साइबर थाना एनआईटी में पहली पोस्टिंग थी। दोनों सब–इंस्पेक्टर ने साइबर ठगी के आरोप में गिरफ्तार एक आरोपी को अदालत से जमानत दिलाने में मदद करने के बदले में परिजनों से 19 लाख रुपये रिश्वत की मांग कर रहे थे। इसकी आरोपी के परि. जनों ने सूचना एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) को दे दी। इसके बाद डीएसपी की अगुवाई में एक टीम गठित की गई। उन्होंने पैसे लेकर शिकायतकर्ता को सेक्टर–15 बाजार में दोनोंसब–इंस्पेक्टर से मिलने भेजा। जैसे की शिकायतकर्ता ने आरोपी सब–इंस्पेक्टर को पैसे दिए। तो पहले से मौजूद एसीबी की टीम ने पैसे के साथ सब–इंस्पेक्टर अर्जुन को पकड़ लिया। जबकि दूसरा सब–इंस्पे. क्टर रामचंद्र अंधेरे का फायदा उठाकर के मौके से फरार हो गया। एसीबी की टीम आरोपी की तलाश में जुटी है। एसीबी की टीम ने शुक्रवार को आरोपी सब–इंस्पेक्टर अर्जुन का मेडिकल कराने के बाद अदालत में पेश किया। जहां से पूछताछ के लिए आरोपी को दो दिन की रिमांड पर लिया है। उसके बाद से एसीबी की एक टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है।जांच में जुटी है।

लोकेशन बदलकर दो साल से चकमा दे रहा था हत्यारा, अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने फरार अपराधी को पकड़कर बड़ी सफलता हासिल की है. अपराधी की पहचान भूपेंद्र के रूप में हुई है. साल 2005 में अदालत ने भूपेंद्र को उम्रकैद की सजा सुनाई थी. 2003 में डकैती के दौरान हत्या का मामला सामने आया था. भूपेंद्र ने पीएस रा. जौरी गार्डन इलाके में डकैती के दौरान एक शख्स की हत्या कर दी थी. वारदात के बाद पुलिस ने भूपेंद्र को गिरफ्तार कर लिया था. हत्याकांड का मामला अदालत की दहलीज तक पहुंचा.साल 2005 में अदालत ने भ. पेंद्र को उम्रकैद की सजा सुनाई. भूपेंद्र 2005 से जेल में सजा काट रहा था. सितंबर 2022 में भूपेंद्र को 21 दिनों की फर्लो मिली. जेल से बाहर आने के बाद हत्यारा फरार हो गया. आउटर डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि 21 नवंबर को फरार बदमाश के आने की सूचना मिली थी.

विश्वनाथ धाम क्षेत्र में 24 घंटे होगी सफाई, गंगा घाटों पर हर 50 मीटर पर लगेंगे डस्टबिन

विश्वनाथ मंदिर के आसपास के क्षेत्रों में 24 घंटे सफाई होगी। इसके लिए तीन शिफ्ट में ड्रेस में तैनात सफाईकर्मी काम करेंगे। साथ ही गंगा घाटों पर हर 50 मीटर पर डस्टबिन लगाए जाएंगे। व्यवसायिक क्षेत्रों में दो–दो डस्टबिन स्थापित होंगे। यह निर्देश शुक्रवार को नगर निगम में हुई बैठक में नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने दिए।बैठक में नगर आयुक्त ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग के लिए बेहतर उपाय किए जाएंगे। घर–घर से निकलने वाले कूड़े को अलग कराएं। 8–8 घंटे की ड्यूटी लगाकर मंदिर क्षेत्र की सफाई कराएं। जिनकी ड्यूटी लगाई जाए वे नियमित चक्रमण करते रहें। जहां भी कूड़ा दिखाई दे, तत्काल उसे साफ कराएं। नगर में सभी व्यवसायिक क्षेत्रों में दो–दो डस्टबिन लगाए जाएं। डस्टबिन से कूड़े का निस्तारण नियमित कराया जाए। डस्टबिन की धुलाई भी की जाए।उन्होंने मुख्य अभियंता को निर्देशित किया कि चिह्नित 56 नालों पर जाली लगाने का कार्य तत्काल पूर्ण कराएं। नगर में संचा. लित तीन एमआरएफ सेंटर को व्यवस्थित संचालित किया जाए। होप संस्था की ओर से बेकार कपड़ों से बनाए जा रहे झोले का प्रचार–प्रसार किया जाए। जिससे प्रतिबंधित प्लास्टिक का प्रयोग कम किया जा सके। नगर आयुक्त ने सफाई कर्मचारियों को सरकार से दी जा रही योजनाओं से आच्छादित करने के निर्देश दिए।रैग पिकर्स का डेटा तैयार कर जारी होगा पहचान पत्रनगर आयुक्त ने शहर में रैग पिकर्स (कचरा बीनने वाले) का डाटा तैयार करने एवं उन्हें पहचान पत्र देने के निर्देश दिए गए। नगर में स्थापित सभी सार्वजनिक शौचालयों व सामुदायिक शौचालयों में स्वच्छ सर्वेक्षण में जारी टूलकिट के आधार पर मानकों को पूरा कराएं। सभी सार्वजनिक मूत्रालयों में सफाई के लिए पानी की व्यवस्था कराएं। आउटसोर्सिंग पर तैनात सुपरवाइजर नगर आयुक्त ने कहा कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कार्मिक जो सुपरवाइजर का कार्य देख रहे हैं। उन्हें तत्काल हटाया जाए। उनके स्थानपर स्थायी कर्मियों को सुपरवाइजर के पद पर रखने की कार्रवाई की जाए। महाप्रबंधक जलकल को सीवर में जोड़ने, सोकपिट बनाने के लिए मुख्य अभियंता को निर्देशित किया गया। स्वच्छता के प्रति वार्डवार जागरूकता अभियान चलाएं।

एएमयू के छह छात्र निलंबित, तीन पूर्व छात्र पांच साल के लिए डिबार

अलीगढ़ (जननायक सम्राट) मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के कुलपति कार्यालय का घेराव, उनकी कार को घेरने और हमला करने के आरोपी छह छात्रों को निलंबित और तीन पूर्व छात्रों को डिबार कर दिया गया है। छात्रसंघ चुनाव कराने और कक्षाओं में शून्य उप. स्थिति (कक्षा में आने की अनिर्वायता न हो) व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर छात्र 21 नवंबर को प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने छह घंटे तक हंगामा किया था। इसके बाद कुलपति के निर्देश पर छात्रों पर मुकदमा हुआ। निलंबन और डिबार करने की कार्रवाई हुई है। ये हुए निलंबित अनुशासनहीनता के आरोप में बीआर्क के छात्र मिस्बाह कैसर निवासी मोहल्ला मौला टोला, पटियाली कासगंज, एमए मास कम्युनिकेशन के छात्र जकी उर्रहमान निवासी हिफाजुर रहमान कासमी मंजिल सराय संभल,

एमए समाजशास्त्र के मोहम्मद अदील खान निवासी हाफिजो वली मस्जिद कोट गरवी संभल, एमए वीमेंस स्टडीज के छात्र मोहम्मद दानिश निवासी पुरानी चुंगी अनूपशहर रोड अलीगढ़, शोधार्थी अदीब अहमद निवासी तैयब कॉलोनी नगला का मल्लाह, इरफान उल शब्बीर निवासी पुंछ जम्मू–कश्मीर को निलंबित कर दिया गया। इसी तरह पूर्व छात्र (सेमेस्टर बैक) एमए इतिहास के पारस मोहम्मद निवासी पाली रजापुर, बीपीईएड छात्र मोहम्मद शोएब, बीए इतिहास के छात्र मोहम्मद सलमान अली को पांच साल के लिए डिबार कर दिया गया है। यह डिबार वर्ष 2025–26 से लागू होगा। प्रॉक्टर प्रो. मोहम्मद वसीम अली ने बताया कि यह कार्रवाई कुलपति के आदेश पर की गई है। बृहस्पतिवार को कुलपति कार्यालय में हुए हंगामे के बाद प्रॉक्टर कार्यालय के सुरक्षा अधिकारी इरफान अहमद खान ने थाना सिविल लाइंस में जानलेवा हमला, कार रोकने, सरकारी कार्यों में बाधा पहुंचाने, अभद्र भाषा का इस्तेमाल सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। दानिश, इरफान, अदील, शोएब, पारस, फव्वाद, अरशद, सलमान, अदीब पर यह मुकदमा दर्ज कराया गया था। छात्रों ने कुलपति कार्यालय में छह घंटे तक हंगामा किया था। बाबे सैयद पर दिया धरना, पुलिस फोर्स रही तैनात मुकदमा दर्ज होने और निलंबन कार्रवाई के खिलाफ शुक्रवार को एएमयू छात्रों ने बाबे सैयद पर धरना देकर विरोध जताया। इस दौरान बाबे सैयद पर पुलिस फोर्स तैनात रही। छात्रों ने सोमवार से शुरू होने वाली सेमेस्टर की परीक्षा का बहिष्कार करने की रणनीति बनाई। छात्रों ने कहा कि उन पर हमला करने का आरोप लगाया जा रहा है, जो गलत है। शून्य हाजिरी और छात्रसंघ चुनाव को लेकर वे लगातार मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी बात कुलपति से कहने नहीं दी जा रही है। अलबत्ता, कुलपति को छात्रों पर कार्रवाई करने के लिए गुमराह किया जा रहा है। छात्रों ने कहा कि अपनी बात यूनिवर्सिटी प्रशासन से नहीं कहेंगे, तो किससे कहेंगे। मगर कुछ प्रशासनिक अधिकारी ऐसा नहीं चाहते हैं। इस संबंध में प्रॉक्टर प्रो. मो. हम्मद वसीम अली ने बताया कि छात्रों ने जो हरकतें की हैं, वह सही नही हैं। इसलिए कार्रवाई की गई है।

1 से 28 फरवरी तक लगेगी नुमाइश, 25 नवंबर को कार्यक्रमों पर लगेगी अंतिम मुहर

अलीगढ़ (जननायक सम्राट)
एडीएम सिटी अमित कुमार भट्टे ने बताया कि नुमाइश के आयोजन की संभावित तारीख तय कर ली गई है। तैयारियां शुरू की जा रही हैं। 25 नवंबर को नुमाइश कार्यकारिणी बैठक में सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर अंतिम मुहर लगा दी जाएगी।गंगा जमुनी तहजीब की प्रतीक अलीगढ़ की राजकीय औद्योगिक एवं कृषि प्रदर्शनी (नुमाइश) का शुभारंभ 1 फरवरी को होगा। यह आयोजन 28 फरवरी तक होगा। अब इसकी तैयारियों ने रफ्तार पकड़ ली है।अलीगढ़ की नुमा. इश पश्चिमी यूपी में खासी मशहूर है। यहां पर कई मंडलों के दुकानदार आते हैं।

हजारों की भीड़ जुटती है। 25 नवंबर को नुमाइश कार्यकारिणी की होने वाली बैठक में नुमाइश के आयोजन, शुभारंभ के साथ ही होने वाले कार्यक्रमों पर अलावा कोहिनूर मंच पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर लोगों की विशेष रुचि होती है। ऐसे में प्रशासन इस बार मंच के कार्यक्रमों पर विशेष जोर दे रहा है। प्रयास किए जा रहे हैं उन्हीं कलाकारों का चयन किया जाए, जो पहले जिले में न आए हों। सोमवार को इन पर अंतिम मुहर लग जाएगी। एडीएम सिटी अमित कुमार भट्टे ने बताया कि नुमाइश के आयोजन की संभावित तारीख तय कर ली गई है। तैयारियां शुरू की जा रही हैं। 25 नवंबर को नुमाइश कार्यकारिणी बैठक में सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर अंतिम मुहर लगा दी जाएगी। डीएम की अध्यक्षता वाली कमेटी अंतिम मुहर लगाएगी। जिले में नुमाइश में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम सबसे खास होते हैं। कृष्णांजलि मंच के

अध्यापक ने कक्षा छह के छात्र का हाथ तोड़ा, विद्यालय में प्रदर्शन और हंगामा

कस्बा दादों स्थित एक विद्यालय के अध्यापक पर कक्षा छह के छात्र का हाथ तोड़ने का आरोप लगा है। परिजनों और छात्रों ने विद्यालय पर हंगामा और प्रदर्शन भी किया। छात्र के पिता ने इस संबंध में थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सीओ छर्रा महेश कुमार ने बताया कि तहरीर पर जांच की जा रही है। जांच के बाद ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।घटना को लेकर परिजनों और छात्रों ने विद्यालय में हंगामा किया और नारेबाजी भी की। अध्यापक और प्रधानाचार्य पर उत्पीड़न करने के आरोप भी लगाए। गांव नगरिया सिहानी निवासी चंद्रभान सिंह ने बताया उनका बेटा रामू कुमार दादों स्थित एक विद्यालय में कक्षा छह में पढ़ता है। वह शुक्रवार को वह विद्यालय में पढ़ने गया था, तभी कुछ कक्षा में कुछ बच्चे शोर मचा रहे थे। इसी दौरान अध्यापक ने उनके बेटे के साथ सरिया से मारपीट कर दी। पूरी घटना विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है।सिहानी ग्राम प्रधान देवेंद्र सिंह यादव भी मौके पर पहुंच गए। वहां से ग्रामीणों और परिजनों को लेकर थाना गोंडा पर पहुंच गए। अध्यापक पर बच्चों के साथ क्रूरता व उन्हें प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने घायल छात्र को डॉक्टरी परीक्षण व प्राथमिक उपचार के लिए छर्रा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा ।

भाजपा ने लगाई जीत की हैट्रिक, सुरेंद्र दिलेर ने सपा की चारू केन को हराया

खैर उपचुनाव के लिए 31 राउंड की गिनती पूरी हो गई है. बीजेपी प्रत्याशी सुरेंद्र दिलेर ने सपा प्रत्याशी चारु कैन को 38251 वोटों से हरा दिया. बीजेपी प्रत्याशी सुरेंद्र दिलेर को 99929 वोट मिले. जबकि सपा प्रत्याशी चारु कैन को 66678 वोट मिले. खैर में बीजेपी ने जाट, जाटव और मुस्लिम का समीकरण फेल कर दिया है. कई एग्जिट पोल में खैर सीट पर बीजेपी की जीत का दावा किया जा रहा था. जो अब सच साबित हुआ है. खैर में सपा ने जाट–जाटव समीकरण को देखते हुए चारु कैन पर दांव खेला था खैर उपचुनाव के लिए 31 राउंड की गिनती पूरी हो गई है. बीजेपी प्रत्याशी सुरेंद्र दिलेर ने सपा प्रत्याशी चारु कैन को 38251 वोटों से हरा दिया. बीजेपी प्रत्याशी सुरेंद्र दिलेर को 99929 वोट मिले. जबकि सपा प्रत्याशी चारु कैन को 66678 वोट मिले. खैर में बीजेपी ने जाट, जाटव और मुस्लिम का समीकरण फेल कर दिया है. खैर उपचुनाव के लिए 31 में से 29 राउंड की गिनती पूरी हो गई है. 29 राउंड की गिनती के बाद बीजेपी प्रत्याशी सुरेंद्र दिलेर सपा प्रत्याशी चारु कैन से 35702 वोटों से आगे चल रहे हैं. बीजेपी प्रत्याशी सुरेंद्र दिलेर को 95198 वोट मिले हैं. जबकि सपा प्रत्याशी चारु कैन को 59496 वोट मिले हैं. 2 राउंड की गिनती में अब शायद के अंतर कम कर पाना मुस्किल है.

सिकंदाराऊ में बरातियों से भरी मिनी बस टायर फटने से पलटी

सिकन्दराबाद –22 नवंबर की रात आठ बजे ग्रेटर नोएडा के गांव जलपुरा से फर्रुखाबाद जा रही बरातियों से भरी 32 सीटर मिनी बस का एटा राजमार्ग पर गांव जिमिसपुर के निकट टायर फट गया, जिससे बस अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर को तोड़ते हुए सड़क के दूसरे किनारे पर जाकर पलट गई। बस में कुल 30 यात्री सवार थे। इनमें से 20 घायल हो गए। चार को गंभीर हालत में अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। बाकी का सीएचसी में इलाज चल रहा है।

पुलिस भर्ती परीक्षा में हुई पास,फिजिकल की तैयारी करते उठा सीने में दर्द, हुई मौत

अलीगढ़–पलवल हाईवे के गांव अर्राना निवासी 20 वर्षीय ममता पुत्री विक्रम सिंह उर्फ पप्पू ने यूपी पुलिस की लिखित परीक्षा 212 अंकों के साथ पास की। परिजनों ने बताया कि ममता परीक्षा पास करने के बाद दौड़ आदि की तैयारी कर रही थी। 23 नवंबर को ममता खेत में बने मैदान पर सुबह तड़के पांच बजे दौड़ लगा रही थी। ममता ने यूपी पुलिस की लिखित परीक्षा 212 अंकों के साथ पास की। ममता परीक्षा पास करने के बाद दौड़ आदि की तैयारी कर रही थी। ममता खेत में बने मैदान पर सुबह तड़के पांच बजे दौड़ लगा रही थी। अचानक उसके सीने में दर्द उठा।पुलिस भर्ती परीक्षा का रिजल्ट निकला। ममता परीक्षा में पास हो गई। वह फिजिकल की तैयारी करने लगी। सपना संजोया कि फिजिकल, दौड़ आदि पास कर पुलिस की वर्दी मिल जाएगी। सुबह दौड़ लगाते समय ममता को अचानक सीने में दर्द उठा। जिससे उसकी मौत हो गई। वर्दी पहनने का सपना ममता के साथ ही चला गया। अचानक उसके सीने में दर्द उठा। युवती बेहोश हो गई। सूचना पर परिजन युवती को खैर सीएचसी ले गए। वहां से उसे अलीगढ़ जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। चिकित्सकों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। युवती की मौत से परिवार में मातम छा गया। युवती चार भाई–बहनों में सबसे छोटी थी। परिवार में सभी का रो–रोकर बुरा हाल है।

मा0 सदस्य उ0प्र0 राज्य महिला आयोग 27 नवंबर को करेंगी महिला जनसुनवाई

अलीगढ़ उ.प्र. राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्य श्रीमती मीना कुमारी द्वारा 27 नवंबर को पूर्वान्ह 11 बजे से सर्किट हाउस सभागार में महिला उत्पीडन की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने के लिए महिला जनसुनवाई की जाएगी।जिला प्रोबेशन अधिकारी अजित कुमार ने उक्त जानक. ारी देते हुए बताया कि महिला जनसुनवाई के दौरान पुलिस, जिला कारागार, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के साथ ही महिला थानाध्यक्ष उपस्थित रहेंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वह निर्धारित समय व स्थान पर अद्यतन सूचनाओं सहित बैठक में स्वयं प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

संविधान दिवस 26 नवंबर को जिले में आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

अलीगढ़ जिलाधिकारी विशाख जी0 की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में 29 नवंबर को अपरान्ह 04:30 बजे से जिला उद्योग बन्धु की बैठक आहुत की जाएगी।संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेन्द्र कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में विगत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि, औद्योगिक संगठनों से प्राप्त प्रकरणों एवं निवेश मित्र पोर्टल पर समयसीमा के उपरांत लंबित प्रकरणों पर चर्चा एवं विभागीय ऋण योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया है कि अपने विभाग से संबंधित बिन्दु की प्रगति रिपोर्ट जिला उद्योग कार्यालय को उपलब्ध कराने के साथ ही निर्धारित समय व स्थान पर बैठक में स्वयं प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

अमर शहीद लेफ्टिनेंट सुरेंद्र डांगुर का दिअलीगढ़ बार एसोसिएशन द्वारा मनाया गया बलिदान दिवस

अमर शहीद लै० सुरेन्द्र डागुर जी का बलिदान दिवस दि अलीगढ बार एसोसिएशन, अलीगढ द्वारा स्टेट बैंक तिराहा, घण्टाघर स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर मनाया गया। बार अध्यक्ष ठा० दिनेश सिंह एड० तथा महासचिव पं० विनोद कुमार रावत एड०, मुकेश कुमार एड०, चन्द्र शेखर चौहान एड०, दीपक सारस्वत एड०, धर्मेन्द्र कुमार बघेल एड०, हरी मोहन एड०, रामकुमार एड०, विनय प्रताप सिंह एड०, गिर्राज सिंह एड०, अनिल वर्मा आदि ने लै० सुरेन्द्र डागुर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शत् शत् नमन किया। जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष ठा० दिनेश सिंह एड० तथा संचालन महासचिव पं० विनोद कुमार रावत एड० ने की। संचालनकर्ता पं० विनोद कुमार रावत एड० ने बताया कि स्व० लै० सुरेन्द्र डागुर जी का जन्म नागर (सालपुर) अलीगढ जनपद में 22 नवम्बर 1941 को पिता लै० स्व० श्री कर्नल चन्द्र डागुर एवं माताजी श्रीमती विजय डागुर के यहाँ हुआ था तथा दिसम्बर 1961 में इन्होंने भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून से कमीशन प्राप्त किया एवं 1962 में चीन भारत युद्ध में अल्प आयु (मात्र 21 वर्ष) में ही चीनी आक्रान्ताओं से साहस वीरता से डटकर मुकाबला करते हुये प्रथम सिख बटालियन की ओर से सेला सेक्टर (नेफा) में मातृभूमि की रक्षार्थ 23 नवम्बर 1923 को वीर गति को प्राप्त हुये।

विद्युत तार टूटने से घर में दौड़ा करंट, महिला झुलसी

कस्बा मुरसान में कोतवाली के निकट पेट्रोल पंप के पीछे शुक्रवार की दोपहर को हाईटेंशन लाइन का तार टूटने से अफरा–तफरी मच गई। तार टूटने के कारण पास के एक घर में करंट दौड़ गया। इसकी चपेट में आकर एक महिला झुलस गई। महिला की गेंदा के फूल की फसल में आग लग गई। लोगों ने सूचना देकर मुरसान बिजलीघर से आपूर्ति बंद कराई।टूटे हुए तार को जोड़ने पहुंचे विद्युत कर्मचारियों से आसपास की म.ि हलाओं की नोकझोंक हो गई। महिलाओं ने कर्मचारियों से कहा कि वह हर बार तार टूटने के बाद उसे ठीक करने के लिए चले आते हैं। इस बार जब तक नए तार नहीं डाले जाएंगे, तब तक वह किसी को भी अपने खेत में नहीं घुसने देंगी। विभाग की लापरवाही के कारण उनकी गेंदा के फूल की फसल में आग लग गई है। महीने में कई बार तार टूट जाता है। महिलाओं के विरोध को देखते हुए कर्मचारी मौके से बिना तार जोड़े ही चले गए। कर्मचारियों के जाने के कुछ घंटे बाद ही विद्युत अधिकारी मौके पर पहुंचे और तार जुड़वाकर आपूर्ति बहाल कराई।घर के पास ही मेरे खेत हैं। इनके ऊपर से होकर हाईटेंशन लाइन का तार मोहल्ला किला व मढ़ैया की ओर जा रहा है। इस लाइन पर आए–दिन फॉल्ट होते रहते हैं। कई बार अधिकारियों से नए तार डालने व लाइन को दूसरी जगह से होकर निकालने के लिए कहा गया है, लेकिन विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा।मेरा घर इस विद्युत लाइन के पास में हैं। दोपहर को अचानक लाइन में फॉल्ट हो गया था।
इस कारण मेरे घर में भी करंट दौड़ गया। मेरी बहन को करंट लग गया और मेरी गेंदा के फूल की फसल में भी आग लग गई, जिससे काफी नुकसान हुआ है। कई वर्ष पहले मेरी एक बहन भूरी भी इसी तरह फॉल्ट होने से करंट की चपेट में आकर मर गई थी।मुरसान कोतवाली के पीछे से पैठ
मैदान की ओर हाईटेंशन लाइन का तार विद्यालय परिसर के ऊपर से होकर निकल रहा है। शुक्रवार की दोपहर को जिस समय तार टूटा, उस समय स्कूल के बच्चे विद्यालय प्रांगण में घूम रहे थे। वह करंट की चपेट में आने से बाल–बाल बचे हैं। कई बार शिकायत के बाद भी विद्युत अधिकारियों ने लाइन को नहीं हटवाया है।मैं मौके पर गया था। खेत किनारे कुछ पेड़–पौधों की वजह से फॉल्ट हो जाता है। आसपास के लोगों को यह बात समझा दी गई है। पेड़ के हिस्से को काट दिया गया है। बिजली आपूर्ति को भी चालू करा दिया गया है।

डॉक्टरों ने बताए कैंसर के 17 मुख्य लक्षण

कैंसर के खिलाफ लड़ाई शुरुआती चरणों में निदान किए जाने वाले लोगों के लिए बेहतर पूर्वानुमान के साथ, शुरुआती चरणों में निदान किए जाने पर निर्भर करती है. मैकमिलन कैंसर सपोर्ट की रिपोर्ट है कि हर साल के यूके में लगभग 393,000 लोगों को कैंसर का निदान मिलता है. औसतन, हर 90 सेकंड में, यूके में किसी को पता चलता है कि उन्हें कैंसर है.कैंसर से हर साल लगभग 167,000 लोगों की जान जाती हैचौरिटी ने इस भयावह आंकड़े पर भी प्रकाश डाला है कि यू.के. में कैंसर से हर साल लगभग 167,000 लोगों की जान जाती है. जिसका औसत प्रतिदिन 460 मौतें है. स्टेज 4 कोलन कैंसर का निदान करने वाली डॉक्टर ने मुख्य चेता. वनी संकेत शेयर किए गए हैं. डॉक्टरों द्वारा लक्षणों को कब्ज समझ लेने के बाद बच्चे को कैंसर का पता चलता है. यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन फ्रांसिस्को के विशेषज्ञों ने कैंसर के 17 प्राथमिक संकेतों और लक्षणों की पहचान की है जिन्हें अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए.कैंसर के 200 से ज़्यादा अलग–अलग प्रकार हैं जो कई अलग–अलग संकेत और लक्षण पैदा कर सकते हैं. कभी–कभी लक्षण शरीर के खास हिस्सों जैसे पेट या त्वचा को प्रभावित करते हैं. लेकिन संकेत ज़्यादा सामान्य भी हो सकते हैं, और इनमें वजन कम होना, थकान (थकान) या बिना वजह दर्द शामिल हो सकता है. कैंसर के कुछ संभावित लक्षण, जैसे गांठ, दूसरों की तुलना में ज़्यादा जाने जाते हैं. लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे ज़्यादा महत्वपूर्ण हैं या कैंसर होने की ज़्यादा संभावना है. कैंसर के किसी भी संभावित लक्षण की जाँच करवाना जरूरी है.कैंसर के अलग–अलग लक्षण होते हैंकैंसर लोगों को अलग–अलग तरह से प्रभावित कर सकता है. एक व्यक्ति में होने वाले लक्षण दूसरों से अलग हो सकते हैं और कुछ लोगों में कोई लक्षण नहीं होते. इसलिए, आपको कैंसर के सभी संकेतों और लक्षणों को याद रखने की जरूरत नहीं है.यह जानना जरूरी है कि आपके लिए क्या सामान्य है और अगर आपको कोई असामान्य बदलाव या कुछ ऐसा नजर आता है जो ठीक नहीं होता है, तो अपने डॉक्टर से बात करें. इससे शुरुआती चरण में कैंसर का निदान करने में मदद मिल सकती है, जब उपचार के सफल होने की संभावना ज़्यादा होती है.कैंसर के 15 कॉमन लक्षणडॉक्टर्स हमेशा कहते हैं कि जिसे मामूली लक्षण समझकर लोग अनदेखा कर देते हैं बाद में पता चलता है कि वह कैंसर के शुरुआती लक्षण हैं और बाद में यही जानलेवा बन जाती है.आज हम इस आर्टिकल के जरिए कैंसर के शुरुआती लक्षणों के ऊपर विस्तार से बात करेंगे जिसे अक्सर लोग मामूली समझकर अनदेखा कर देते हैं. आज हम कैंसर के ऐसे 15 कॉमन लक्षणों के बारे में बात करेंगे जिसे ध्यान देने की जरूरत है. कैंसर के शुरुआती लक्षणसर्वाइकल और ओवेरियन कैंसर के लक्षणअगर किसी महिला या लड़की के पीरियड्स में असमान्य रूप से अक्सर परिवर्तन दिख रहे हैं तो उन्हें डॉक्टर्स से तुरंत दिखाना चाहिए. क्योंकि इसे नजर. अंदाज करना खतरनाक हो सकता है. यह सर्वाइकल कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. कोलोन, प्रोस्टेट कैंसर के लक्षण अगर बार–बार बाथरूम की आदत में बदलाव दिख रहे हैं तो यह कोलन और प्रोस्टेट कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. ओवेरियन कैंसर पेट का फूलना, भारीपन अगर हफ्ते में यह बार–बार हो रहा है तो यह ओवेरियन कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. ब्रेस्ट कैंसरअगर किसी व्यक्ति के ब्रेस्ट में चेंजेज, भारीपन, गांठ, निप्पल का कलर बदलना, निप्पल में बदलाव, डिस्चार्ज तो यह ब्रेस्ट कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. लंग्स कैंसर अगर किसी व्यक्ति को काफी दिनों से खांसी है वह रूक नहीं रही है तो उन्हें तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए. साथ ही साथ अगर व्यक्ति को सूखी खांसी है तो यह लंग्स कैंसर या टीबी के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. ब्रेन ट्यूमरअगर लगातार सिर में दर्द रह रहा है तो यह दर्द काफी समय से हो रहा है तो ब्रेन ट्यूमर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. स्टोमेक कैंसर या गले का कैंसर अगर खाना, पानी या किसी भी चीज को निगलने में परेशानी हो रही है तो यह स्टोमेक और गले के कैंसर हो सकते हैं. ब्लड कैंसर अगर जांघ या शरीर पर काफी ज्यादा ब्लू पैचेज दिखाई दे रहे हैं या ऐसा लग रहा है कि चोट लगने वाली मार्क है तो यह ब्लड कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं.जल्दी–जल्दी बुखार या इंफे. क्शन हो रहे हैं तो यह ल्यूकेमिया कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं.ओरल कैंसर अगर बहुत दिनों तक मुंह में छाले हो रहे हैं. या बार–बार छाले हो रहे हैं तो यह ओरल कैंसर के शुरुआती संकेत हो सकते हैं. जो लोग स्मोक करते हैं उन्हें ओरल कैंसर का खतरा काफी ज्यादा रहता है. मेनोपॉज के बाद भी अगर ब्लीडिंग हो रही है तो इसे आप नॉर्मल नहीं ले सकते हैं. यह यूटेरिन और सर्विकल कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. कैंसर के शुरुआती लक्षण ऐसे भी होते हैं कि अचानक से वजन का बढ़ना या गिरना, कई बार भूख की कमी, बालों का झड़ना यह सभी कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं.

तासीर में गर्म ये छोटे-छोटे गोल दाने सर्दियों में आपको रखेंगे स्वस्थ

सर्दियों में खाने–पीने की तरह–तरह की चीजें मिलने लगती हैं. इस मौसम में मूंगफली भी खूब मिलती है और लोग इसे बड़े चाव से खाना पसंद करते हैं. घर का आंगन, छत हो या फिर ऑफिस की डेस्क हो, हर जगह लोग मूंगफली खाते दिख जाते हैं. मूंगफली सस्ती भी होती है और बेहद पौष्टिक भी, शायद इसलिए ही इसे गरीबों का बादाम भी कहा जाता है. मूंगफली की तासीर गर्म होती है, ऐसे में इसके सेवन से शरीर गर्म रहेगा और आप सर्दियों में कई रोगों से बचे रह सकते हैं. चलिए जानते हैं सर्दियों में मूंगफली (च्मंदनजे ठमदमपिजे) खाने के क्या–क्या फायदे होते हैं.मूंग. फली में पोषक तत्व हेल्दी स्नैक्स के रूप में मूंगफली का सेवन काफी फायदेमंद हो सकता है. हरदोई के शतायु आयुर्वेद एवं पंचकर्म केंद्र के डॉ. अमित कुमार कहते हैं कि मूंगफली में गुड फैट और कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं. इसमें विटामिन सी भी पाया जाता है. यह कोलेजन निर्माण के लिए जरूरी विटामिन है. साथ ही इम्यूनिटी बूस्ट भी करता है. इसमें विटामिन बी6, कैलोरी, सोडियम, पोटैशियम, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम आदि भी होते हैं. इसमें मौजूद न्यूट्रिटिव वैल्यू की बात करें तो 100 ग्राम मूंगफली में लगभग 19 ग्राम प्रोटीन, 9 ग्राम डाइटरी फाइबर, 49 ग्राम फैट, 4 ग्राम शुगर मौजूद होता है. मूंगफली खाने के फायदे डॉ. अमित कुमार के अनुसार, मूंगफली एक हेल्दी खाद्य पदार्थ है. लंबे समय तक प्रतिदिन मूंगफली खाने से शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं. इसमें विटामिन सी होता है जो कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देता है, इससे स्किन के स्टेबि. लिटी और फ्लेक्सिबिलिटी बनाए रखने में मदद मिलती है. त्वचा की झुर्रियां और दाग–धब्बे दूर होते हैं. मूंगफली में मोनो–अनसैचुरेटेड फैटी एसिड होने के कारण बैड कोलेस्ट्रॉल को खत्म करने में मददगार साबित होता है. यह कोरोनरी आर्टरी डिजीज से भी बचाए रखता है. हेल्दी ब्लड लिपिड प्रोफाइल को बढ़ा कर स्ट्रोक होने की संभावना को कम कर सकता है. इसको रेस्वेराट्रोल का एक बेहतरीन स्रोत माना जाता है. यह कैंसर और कई अन्य बीमारियों से शरीर को बचाए रखता है. मूंगफली में मौजूद ट्राइप्टोमेर सेरोटोनिन रिलीज को बढ़ाता है, जो डिप्रेशन से लड़ने में मददगार साबित हो सकता है. इसके साथ ही, नियमित मूंगफली खाने से वजन भी घटाया जा सकता है. फाइबर होने के कारण पेट देर तक भरा रहता है. इस तरह आप अधिक खाने से बचे रहते हैं. हाई कोलेस्ट्रॉल का लेवल भी कम हो सकता है. इस तरह से आप हार्ट संबंधित समस्याओं से भी बचे रह सकते हैं.

साग काटने धोने में लगते हैं घंटों

ठंड के मौसम में कई तरह की साग सब्जी मार्केट में मिलनी शुरू हो जाती हैं. पालक, चौलाई, सरसों, मेथी, बथुआ, मूली आदि के साग का जहां देखो वहां आपको ठेले या सब्जी मार्केट, सब्जी मंडी में फ्रेश मिल जाएगी. साग खाना जितना फायदेमंद है और पोषक तत्वों से भरपूर होती है, उतना ही इसे बनाना मुश्किल भरा काम होता है. कुछ लोग तो इसे काटने, धोने में ही परेशान हो जाते हैं. यदि इन हरी पत्तेदार सब्जियों को सही से ना काटा और धोया जाए तो न सिर्फ खाते वक्त मुंह में किच–किचकरेगा, बल्कि कीड़े भी इसी में रह जाएंगे. जी हां, साग में पत्तों पर छोटे–मोटे कीड़े भी चिपके रहते हैं. आप साग को घंटों काटने–धोने की समस्या से परेशान होने के कारण इसे खरीदते ही नहीं तो हम आपको बता रहे हैं, आसान से क्लीनिंग ट्रिक्स. इनकी मदद से आप आसानी से साग को साफ भी कर लेंगे और काट भी लेंगे.साग धोने का आसान तरीका साग में मिट्टी चिपके रहते हैं, ऐसे में इन्हें एक–दो बार सिर्फ पानी से धोने से काम नहीं चलेगा. आप कोई भी साग खरीद कर लाएं, उसकी पत्तियों को पहले तोड़ लें. कुछ साग गड्डी में बंधे होते हैं. पत्तों में लगे डंठल को पहले काट लें, क्योंकि इसमें अधिक मिट्टी लगे होते हैं. फर्श पर पत्तों को अपने हाथों से पटकें तो भी कई बार चिपके कीड़े निकल जाते हैं. अब एक बड़े से बर्तन में पानी भरकर थोड़ा–थोड़ा साग डालकर धोएं. पहले आधी क्वांटिटी साग डालकर बर्तन में 3–4 बार धोएं. इससे धूल–मिट्टी अच्छी तरह से निकल जाएगा.आप साग की पत्तियों पर चिपके कीड़े, पिल्लू को निकालना चाहते हैं तो पानी में एक बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा डालें. अब इसमें साग को डाल दें और 15 मिनट के लिए छोड़ दें. अब सादे पानी से दो से तीन बार धो दें. कीड़े आसानी से निकल जाएंगे. आप चाहें तो साग को सिरके वाले पानी में भी डाल सकते हैं.साग आ. सानी से साफ करना है तो आप नेट बैग यूज करें. साग को काट लें और नेट बैग में डाल दें. बड़े से भगोने या बाल्टी में पानी भर लें और इसमें नेट बैग को बार–बार डुबाएं. इससे साग में मौजूद धूल–मिट्टी, कीड़े सब निकल जाएंगे.आप नमक के पानी में साग को काटकर डाल दें और फिर साफ करें. इससे भी पत्तों में चिपके कीड़े निकल जाएंगे. हमेशा साग साफ करने के लिए बड़े बर्तन का इस्तेमाल करें. एक साथ ही सारे कटे हुए साग को न धोएं, बल्कि 3 भागों में बांटकर 2–3 बार पानी के नीचे साफ करें. इससे ये जल्दी और अच्छी तरह से साफ होंगे.

ठंड के मौसम में कई तरह के साग मिलने लगते हैं. इसे खाना तो हेल्दी है, लेकिन जब बात आती है इन्हें काटने और धोने की तो फिर घंटों टाइम लग जाता है. आप परेशान न हों और जब भी साग बनाएं तो इन आसान ट्रिक्स की मदद से साग को साफ करें. सारी धूल–मिट्टी, कीड़े आसानी से निकल जाएंगे.

काजू इस देश से भारत पहुंचा, सैनिक क्यों रखते थे इसे अपने पास

काजू एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जो हर किसी को खूब पसंद है. काजू की ग्रेवी से बनी पनीर की सब्जी हो, पुलाव हो या काजू कतली मिठाई, इसे मुगल काल से पसंद किया जा रहा है. कहते हैं कि अकबर को काजू कोरमा तो जहांगीर को काजू कतली खूब भाती थी. काजू जिस भी पकवान में डल जाता है, उसका स्वाद ही बदल जाता है. भारत में गोवा काजू के लिए जाना जाता है, लेकिन लगभग 526 साल तक यह हमारे देश में उगता ही नहीं था. आज 23 नवंबर है और यह दिन छंजपवदंस बैमू क्ल के तौर पर मनाया जाता है. इस मौके पर जानिए काजू की कहानी. पुर्तगाल से भारत पहुंचे काजू भारत के गोवा में पुर्तगालियों ने 20 मई 1498 में प्रवेश किया और उनके जरिए 1560 में काजू की यहां एंट्री हुई. शुरुआत में पुर्तगाली व्यापारी इनका व्यापार करते थे. वह ब्रा. जील से काजू लाते थे. दरअसल काजू वहीं सबसे ज्यादा उगता था. लेकिन धीरे–धीरे इसकी खेती गोवा में होने लगी. यह समुद्री इलाकों में उगाए जाते हैं इसलिए अब इसकी खेती केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में भी होती है. काजू को इंग्लिश में बैमू कहते हैं जो पुर्तगाली शब्द बंरन से बना है. काजू एक बीज है! काजू को कई लोग मेवा समझकर खाते हैं लेकिन काजू एक बीज है जो एनाकार्डिएसी नाम की फैमिली का हिस्सा है. इसी फैमिली में आम और पिस्ता भी आता है. दरअसल काजू कैश्यू एप्पल नाम के पेड़ का बीज होता है. इसकी अनोखी बात यह है कि यह बीज फल के अंदर नहीं बल्कि बाहर नीचे की तरफ लटका रहता है. लाल और पीले रंग के कैश्यू एप्पल सेब जैसे रसीले और मीठे होते हैं. इससे कुछ लोग सब्जी, चटनी और जैम भी बनाते हैं. गोवा में बनने वाली मशहूर शराब फैनी कैश्यू एप्पल से ही बनती है. हजारों साल से इंसान खा रहे हैं काजूकाजू में आयरन, कॉपर, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन बी, सी, कैल्शियम, सोडियम, जिंक, पोटेशियम, मै. ग्नीशियम और फास्फोरस होता है. इसे करीब 9 हजार साल से खाया जा रहा है. दक्षिण अमेरिका के ब्राजील में बसे तुपी आदिवासी इसे बहुत पहले से खा रहे हैं. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की रिसर्च के अनुसार काजू को सबसे पहले कैपुचिन नाम के बंदरों ने चखा जो ब्रा. जील में पाए जाते हैंअमेरिकी सैनिकों को तुरंत मिलती थी ताकत1947 से 1989 तक अमेरिका और सोवियत संघ के बीच कोल्ड वार चल रही थी. इस दौरान अमे. रिका अपने सैनिकों की सर्वाइवल किट में काजू से बने मक्खन को देता था. दरअसल काजू खाने से शरीर को तुरंत ताकत मिलती है. सैनिक जब थकान या कमजोरी महसूस करते थे तो उन्हें इसे खाने से काफी फायदा मिलता था. दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान काजू से निकलने वाले तेल को हथियारों में लुब्रिकेंट के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था. कैश्यू नट्स होते हैं जहरीले?काजू के ऊपर मूंगफली की तरह छिलका होता है. मूंगफली छिलके के साथ बेची जाती है जबकि काजू ऐसे नहीं बेचा जाता क्योंकि उसका छिलका जहरीला होता है. दरअसल काजू का बीज जिस छिलके में बंद होता है, उसमें अनाक. र्डिक एसिड होता है. यह जहरीला पदार्थ स्किन को इरिटेड कर देता है और इससे रैशेज हो सकते हैं. इसलिए काजू को हमेशा इस शैल से हटाकर ही बेचा जाता है. शुरुआती दौर में यूरोप के लोग इसे जहरीला समझते थे लेकिन इसे खाने का तरीका तुपी आदिवासियों ने ही दुनिया को सिखाया. काजू के मिल्क प्रोडक. टजो लोग वीगन हैं यानी गाय, बकरी, भैंस या किसी दूसरे जानवर के दूध को नहीं पीते, उनके बीच काजू का दूध बहुत पॉपुलर है. इसके अलावा जिन्हें लैक्टोज इनटॉलरेंस है यानी डेयरी प्रोडक्ट से एलर्जी है, उनके लिए भी यह अच्छा विकल्प है. दरअसल यह प्लांट बेस्ड मिल्क है. काजू का दूध अब बा. जारों में खूब बिक रहा है. यह बहुत आ. सानी से घर पर भी बनाया जा सकता है. काजू से केवल दूध ही नहीं बल्कि चीज और बटर भी बनता है. काजू के दूध को चाय, कॉफी, स्मूदी, क्रीमी सूप और सॉस बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है. वीगन डाइट में इसे मुख्य रूप से शामिल किया जाता है

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला ब्यूरो चीफमंडल ब्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें -
अमित कुमार वर्मा -संम्पादक
मो:-8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक-अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा